गनियारी में राख का कहर, एनटीपीसी के दावों की खुली पोल

तीन साल से शिकायतें, लेकिन प्रशासन बेखबर, खुले में उड़ती राख से सांस लेना हुआ मुश्किल, जिम्मेदार विभाग मौन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 19 अप्रैल। जिला मुख्यालय बैढ़न से गनियारी होते हुए बरगवां-देवसर मार्ग इन दिनों लोगों के लिए राहत नहीं बल्कि आफत का रास्ता बन चुका है। सड़क पर फैली राख ने हालात इतने बदतर कर दिए हैं कि सुबह घर से निकलते ही लोगों का सामना धूल और राख के गुबार से होता है। गनियारी के रहवासी पिछले तीन वर्षों से लगातार कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस और क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारियों से शिकायत करते आ रहे हैं, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा राख का परिवहन खुलेआम लापरवाही के साथ किया जा रहा है। सड़क पर जगह-जगह राख इस कदर बिखरी हुई है कि वाहन चलाना जोखिम भरा हो गया है। बाइक सवार फिसल रहे हैं, पैदल चलने वाले लोग धूल से बचने के लिए मुंह ढकने को मजबूर हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं।

हैरानी की बात यह है कि हाल ही में एनटीपीसी विंध्याचल में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कार्यकारी निदेशक ने दावा किया था कि राख का परिवहन पूरी तरह बंद कंटेनरों में किया जा रहा है और कहीं भी राख गिरने की संभावना नहीं है।

उन्होंने मॉनिटरिंग के कड़े इंतजाम होने की बात भी कही थी। लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पूरी तरह पोल खोल रही है। गनियारी मार्ग पर एक नजर डालते ही साफ हो जाता है कि यह दावा सिर्फ कागजी है।

गनियारी और बैढ़न के लोग अब सवाल पूछ रहे हैं, क्या प्रशासन सिर्फ बैठकों और दावों तक ही सीमित रहेगा, क्या लोगों को इसी तरह जहरीली हवा में जीने के लिए मजबूर किया जाएगा, तीन साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अगर समाधान नहीं निकलता, तो यह साफ संकेत है कि कहीं न कहीं जिम्मेदारों की इच्छाशक्ति की कमी है।

अब वक्त आ गया है कि प्रशासन जमीनी स्तर पर सख्त कार्रवाई करे, एनटीपीसी प्रबंधन को जवाबदेह ठहराए और इस राख आतंक से लोगों को राहत दिलाए। वरना यह समस्या आने वाले समय में और भी भयावह रूप ले सकती है।

कोयले की राख से गनियारी और बैढ़न प्रभावित

रहवासियों का कहना है कि राख के साथ-साथ पावर प्लांट की चिमनियों से निकलने वाला धुआं और कोयले की धूल भी घरों तक पहुंच रही है। घरों की छत, आंगन, यहां तक कि खाने-पीने की चीजों पर भी राख जम रही है। पेड़-पौधे भी इससे अछूते नहीं हैं, उनकी हरियाली राख की परत में दबती जा रही है। सबसे चिंताजनक पहलू प्रदूषण स्तर का लगातार बढ़ना है। गनियारी और बैढ़न क्षेत्र में एयर क्वालिटी इंडेक्स 235 से 240 के बीच पहुंच चुका है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक माना जाता है। इससे सांस, एलर्जी और अन्य बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण अमला भी इस पूरे मामले में निष्क्रिय नजर आ रहा है। लोगों का आरोप है कि अधिकारी मौके पर आकर स्थिति देखने तक की जहमत नहीं उठा रहे। केवल कागजों में कार्रवाई दिखाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

बंद कंटेनर का दावा या जमीनी सच्चाई से दूरी

एनटीपीसी विंध्याचल के कार्यकारी निदेशक ने हाल ही में आयोजित प्रेस वार्ता में साफ तौर पर दावा किया था कि राख के परिवहन को लेकर पूरी व्यवस्था सख्ती से लागू की जा रही है। उनके अनुसार सभी राख वाहनों को बंद कंटेनरों में संचालित किया जा रहा है, ताकि रास्ते में कहीं भी राख का रिसाव न हो। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और संबंधित एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी स्थिति में सड़क पर राख नहीं गिरनी चाहिए। कार्यकारी निदेशक ने यह भी भरोसा दिलाया कि पर्यावरण मानकों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता है और यदि कहीं भी लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदारों और जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि एनटीपीसी प्रबंधन क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर पूरी तरह गंभीर है और स्थानीय जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

निगाही परियोजना में बड़ा हादसा कोयला लोड वाहन पलटा

सुरक्षा व्यवस्था पर खड़ा हुआ सवाल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 19 अप्रैल। जिले की एनसीएल निगाही परियोजना में एक बार फिर सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आई है। कांटे के पास कोयला लोड एक भारी वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया और कुछ देर तक कामकाज बाधित रहा। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि की खबर नहीं है, लेकिन घटना ने प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन में क्षमता से अधिक कोयला लोड किया गया था और आवश्यक सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। यही कारण रहा कि वाहन संतुलन खो बैठा और पलट गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों का आरोप है कि परियोजना क्षेत्र में सुरक्षा नियमों की अनदेखी लगातार हो रही है। पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन ठोस सुधार नहीं किया गया। लोगों ने मांग की है कि जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई हो और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में बड़े हादसे रोके जा सकें।

एक नजर में

कसर पहाड़ में भड़की आग, वन विभाग की लापरवाही उजागर

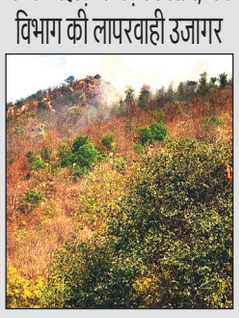

सिंगरौली। गोरबी वन विभाग रेंज अंतर्गत कसर पहाड़ में बीते शनिवार से लगी आग अब भी सुलग रही है, जिससे जंगल का बड़ा हिस्सा प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार आग लगातार फैल रही है, लेकिन इसे बुझाने के लिए वन विभाग की ओर से कोई ठोस प्रयास नजर नहीं आ रहे हैं। आग के कारण वन्यजीवों पर भी खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार सूचना देने के बावजूद विभागीय अमला मौके पर सक्रिय नहीं हुआ। ऐसे में प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। समय रहते आग पर काबू नहीं पाया गया तो नुकसान और बढ़ सकता है।

पीएम एक्सीलेंस कॉलेज बैढन में रक्तदान शिविर कल

सिंगरौली। राष्ट्रीय सेवा योजना शासकीय महाविद्यालय बैढ़न एवं लायंस क्लब विद्युत विहार के संयुक्त तत्वाधान में कल 21 अप्रैल को एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज बैढन में प्रातः 9:30 बजे से प्रारंभ होगा। इस मानवीय पहल का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। शिविर में प्रशिक्षित चिकित्सा टीम द्वारा सभी आवश्यक मानकों का पालन करते हुए रक्त संग्रहण किया जाएगा। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन एसडी सिंह, सचिव डॉ. ओपी राय एवं मेडिकल डायरेक्टर डॉ. आरडी द्विवेदी ने संयुक्त रूप से जनसामान्य, विशेषकर नवयुवकों से अपील की है कि वे इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें।

गाजे-बाजे के साथ कलश स्थापना भक्ति में डूबा ग्राम फुलकेश

आज से शुरू होगी संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा

नवभारत न्यूज

चितरंगी 19 अप्रैल। जिले के चितरंगी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम फुलकेश में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा महापुराण के उपलक्ष्य में आज रविवार को कलश स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सुबह गाजे-बाजे और भक्तिमय माहौल के बीच श्रद्धालुओं ने सोन नदी से जल भरकर कलश यात्रा निकाली और विधि-विधान के साथ स्थापना की। कलश यात्रा में भारी संख्या में महिलाएं, क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक एवं राजगुरु परिवार के सदस्य शामिल हुए। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए कथा स्थल तक पहुंचे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। आयोजन में प्रमुख रूप से भाजपा नेता गुरु शीतलाधर द्विवेदी के अनुज सुखेंद्र द्विवेदी एवं माया द्विवेदी मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि कल सोमवार से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ होगा, जिसमें वृंदावन से आये कथा वाचक श्री कृष्ण शास्त्री जी महाराज श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे। कथा का समापन 26 अप्रैल को होगा, जबकि 27 अप्रैल को महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है।

हर्रा चंदेल, कटौली में मुआवजा विवाद पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

100 से अधिक लोगों के रिकॉर्ड का सत्यापन, मुआवजा प्रकरणों की गहनता से हो रही जांच

नवभारत न्यूज

देवसर 19 अप्रैल। सिंगरौली रेल परियोजना के तहत लंबित मुआवजे को लेकर ग्राम हर्रा चंदेल और कटौली में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए विशेष कैंप लगाकर व्यापक स्तर पर रिकॉर्ड सत्यापन अभियान चलाया।

कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश एवं उपखंड अधिकारी सौरभ मिश्रा की अनुशंसा पर आयोजित इस अभियान में एक सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया, जिससे वर्षों से लंबित प्रकरणों के समाधान की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। तहसीलदार, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट देवसर ऋषि नारायण सिंह के नेतृत्व में राजस्व अमला पूरे समय सक्रिय रहा। इस दौरान कानूनो त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी, संबंधित पटवारी, सरपंच-सचिव, समाजसेवी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कैंप में वारिसानना, आधार लिंकिंग, खाता विवरण की त्रुटियां और अन्य तकनीकी कारणों से रुके मुआवजा प्रकरणों की गहन जांच की गई। कई मामलों में मौके पर ही सुधार कर आगे की प्रक्रिया शुरू की गई, जिससे ग्रामीणों को तत्काल राहत मिली।

भुगतान में देरी, लोगों में आक्रोश

गौरतलब है कि दोनों गांवों में मुआवजा भुगतान में देरी को लेकर लंबे समय से आक्रोश व्याप्त था। प्रशासन की इस सक्रिय पहल से अब समाधान की उम्मीद जगी है और ग्रामीणों में भरोसा बढ़ा है। पटवारी उदय पाल सिंह ने बताया कि सत्यापन कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है और पात्र हितग्राहियों को शीघ्र मुआवजा दिलाने के लिए प्राथमिकता दी जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होते ही भुगतान कार्य में तेजी लाई जाएगी, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति का हक लंबित न रहे। 100 से अधिक रिकॉर्ड सत्यापित हर्रा चंदेल और कटौली में अब जल्द मिलेगा रेल परियोजना का मुआवजा

बैसाखी पर्व पर क्रॉसिंग में कीर्तन आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 19 अप्रैल। क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित गौर ग्लोबल विलेज के क्लब हॉल में बैसाखी के उपलक्ष्य में बैसाखी पर्व एवं खालसा सजना दिवस का आयोजन आज रविवार को बड़े धूमधाम से किया गया।

इस अवसर पर गाजियाबाद के सुप्रसिद्ध कीर्तन गायक परमवीर सिंह ने अपने मधुर-मधुर कीर्तन, अरदास एवं शबद से कार्यक्रम को यादगार बनाया। इस अवसर पर क्रॉसिंग के तमाम संभ्रांत नागरिकों ने शामिल होकर कीर्तन, अरदास एवं शबद का आनंद उठाया तथा वाहे गुरु जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। बैसाखी का पर्व गुरु गोविन्द सिंह जी द्वारा स्थापित खालसा के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है, परंतु क्रॉसिंग रिपब्लिक की टीम ने आज रविवार को इस उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया तथा वैश्विक सद्भाव एवं शांति के लिए गुरुजी से प्रार्थना की। कीर्तन एवं अरदास के उपरांत गुरु का अटूट लंगर चला। कार्यक्रम का संयोजन हरजीत सिंह चड्ढा, बीपीएस भाटिया, हरिवंश सिंह बावा, प्रीतपाल सिंह, गुरमीत सिंह अन्य ने संयुक्त रूप से किया।

देवसर तहसीलदार का सतना तबादला

प्रशासनिक व्यवस्था के तहत जारी हुआ आदेश

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 19 अप्रैल। म.प्र. शासन के राजस्व विभाग द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से देवसर में पदस्थ तहसीलदार ऋषि नारायण सिंह का तबादला सतना जिले में किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार यह स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से लागू होगा और संबंधित अधिकारी को नवीन पदस्थापना स्थल पर शीघ्र कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। तहसीलदार ऋषि नारायण सिंह देवसर तहसील में राजस्व कार्यों के संचालन, भूमि संबंधी प्रकरणों के निराकरण और प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उनके कार्यकाल में कई राजस्व मामलों का निराकरण भी हुआ। अब उनके सतना स्थानांतरण के बाद देवसर तहसील में नए अधिकारी की पदस्थापना को लेकर प्रशासनिक स्तर पर प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। राजस्व विभाग के इस निर्णय को प्रशासनिक संतुलन और कार्य प्रणाली को बेहतर बनाने की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

पात्र व्यक्ति को मिले योजनाओं का लाभ : विश्वामित्र

ढोंगा, चरकी, खधौली एवं मझिगवां-1 में गांव चलो बस्ती चलो अभियान आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 19 अप्रैल। पं. दीनदयाल प्रशिक्षण वर्ग एवं भाजपा स्थापना दिवस के तहत ग्राम पंचायतों ढोंगा, चरकी, खधौली एवं मझिगवां-1 में गांव चलो बस्ती चलो अभियान विश्वामित्र पाठक विधायक सिहावल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क एवं संवाद किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वामित्र पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा पं. दीनदयाल उपाध्याय द्वारा दिखाए गए अंत्योदय के सिद्धांत पर चलने वाली पार्टी है, जिसमें अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के उत्थान एवं विकास पर केंद्रित योजनाएं संचालित हैं। प्रदेश एवं केंद्र सरकार की जनकल्याण कारी योजनाओं के लाभ से कोई पात्र व्यक्ति बंचित ना रहे, यह हम सब की जिम्मेदारी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि नारी सशक्त होगी तभी देश मजबूत होगा, हमारी सरकार ने पंचायती राज व्यवस्था में पूर्व से ही 50 प्रतिशत स्थान आरक्षित किया है, अब हमारी पार्टी ने लोकसभा एवं विधानसभाओं में भी महिलाओं की भागीदारी एवं उनकी सशक्त उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने के लिए ऐतिहासिक कार्य करने जा रही है, जिससे सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी।

आदर्श मॉडल लागू, 10 बिंदुओं पर कड़ाई

पुरानी गाड़ियों, ओवरलोडिंग और प्रदूषण पर शिकंजा, सड़क सुरक्षा व पारदर्शिता पर जोर

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 19 अप्रैल। जिले में परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए आदर्श परिवहन मॉडल लागू करने की दिशा में प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं।

परिवहन आयुक्त के निर्देशों के तहत तैयार इस कार्ययोजना में 10 प्रमुख बिंदुओं पर कड़ाई से अमल किया जाएगा। इसमें 15 वर्ष से अधिक पुरानी गाड़ियों पर नियंत्रण, प्रदूषण मानकों का पालन, फिटनेस-परमिट-बीमा की अनिवार्यता, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, नशा मुक्त ड्राइविंग और स्पीड लिमिट का पालन शामिल है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी वाहनों के लिए पीयूसी प्रमाण पत्र अनिवार्य रहेगा और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिना फिटनेस और दस्तावेज वाले वाहनों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाएगा। नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है, जबकि स्पीड गन और कैमरों के जरिए गति नियंत्रण सुनिश्चित किया जाएगा।

बैंक लूट कांड का आरोपी 8 दिन की पुलिस रिमांड पर

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 19 अप्रैल। चर्चित बैंक लूट मामले में कोतवाली पुलिस ने आज रविवार को एक आरोपी कमलेश को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे 8 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। कड़ी सुरक्षा के बीच हुई पेशी के दौरान पुलिस ने गहन पूछतांछ की आवश्यकता बताई। अब तक कई आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पूछतांछ में मिले सुरागों के आधार पर पुलिस पूरे गिरोह तक पहुंचने में जुटी है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं, जिससे मामले के शीघ्र खुलासे का दबाव बढ़ गया है।

जिला चिकित्सालय के शिशु गहन चिकित्सा इकाई में पानी का संकट, परिजन बेहाल

सुबह से जलापूर्ति ठप, मासूम मरीजों के साथ आए परिजनों को भारी परेशानी, प्रबंधक बने मूकदर्शक

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 19 अप्रैल। जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर की व्यवस्थाओं की एक बार फिर पोल खुल गई है। आज रविवार की सुबह से अस्पताल परिसर में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बाधित होने के कारण शिशु गहन चिकित्सा इकाई एसएनसीयू में भर्ती मासूम मरीजों के परिजन भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि परिजन पीने के पानी से लेकर अन्य आवश्यक जरूरतों के लिए भटकते नजर आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार सुबह से ही अस्पताल में जलापूर्ति ठप है, जिससे सबसे ज्यादा प्रभावित शिशु गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती बच्चों के परिजन हो रहे हैं। अपने मासूमों के इलाज को लेकर पहले से ही चिंतित परिजनों को अब पानी जैसी बुनियादी सुविधा के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है।

कई परिजन अस्पताल परिसर से बाहर जाकर पानी की व्यवस्था करने को मजबूर हैं। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। न तो पानी की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है और न ही जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। इससे अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

नहीं हो रही जिला चिकित्सालय की मॉनिटरिंग

स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों ने बताया कि जिला चिकित्सालय की यह स्थिति नई नहीं है। आए दिन यहां अव्यवस्थाओं की शिकायतें सामने आती रहती हैं, लेकिन सुधार के नाम पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। नियमित मॉनिटरिंग के अभाव में व्यवस्थाएं लगातार बदहाल होती जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है कि अस्पतालों में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, लेकिन यहां हालात इसके उलट नजर आ रहे हैं। यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो मरीजों और उनके परिजनों को इसी तरह परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द जलापूर्ति बहाल कराई जाए और अस्पताल की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्याएं उत्पन्न न हों।